भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2117

सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मरदा जगन्नाथ मंदिर का विकास

†2117. श्रीमती अनीता शुभदर्शिनीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान देश में नए पर्यटन स्थल विकसित करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ओडिशा राज्य के अस्का संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 'सरना श्रीक्षेत्र' के नाम से लोकप्रिय 'मरदा जगन्नाथ मंदिर' और 'निर्मल झारा' को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' (एसडी) और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों को संपूरित करता है। यह सहायता संबंधित राज्य सरकार के परामर्श से और योजना दिशा-निर्देशों, राज्य सरकार से संबंधित योजना के तहत परियोजना प्रस्ताव की प्राप्ति, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन दी जाती है। वर्तमान में 'मरदा जगन्नाथ मंदिर' और 'निर्मल झारा' को पर्यटक गंतव्यों के रूप में विकसित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने ओडिशा राज्य में अपनी स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के तहत नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार एक-एक परियोजना स्वीकृत की है:

योजना	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
स्वदेश	गोपालपुर, बरकुल, सतपदा और तम्पारा (तटीय परिपथ) का विकास	2016-17	70.82
प्रशाद	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 की अपनी नवीकृत योजना के तहत ओडिशा में 'कोरापुट' और 'खिंडा गांव के विशेष आकर्षण के साथ देबरीगढ़' को गंतव्यों के रूप में और प्रशाद योजना के तहत झारियाल में 'चौसठ योगिनी मंदिर', रानीपुर और किचिंग में 'मां किचकेश्वरी मंदिर' को चिह्नित किया है।

भारत सरकार ने 'पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25' (एसएएससीआई) के तहत ओडिशा राज्य में 99.90 करोड़ रु. की 'हीराकुंड का विकास' और 99.99 करोड़ रु. की 'सतकोसिया का विकास' नामक 2 पर्यटन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

*****